एन.आई.ओ.एस/शैक्षिक/2021/222/04/हिंदी

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

उच्चतर माध्यमिक

अध्याय - 04

सीखना (अधिगम)

कार्यपत्रक - 04

1. "सीखने की शक्ति से व्यक्ति वह बन सकता है जो बनना चाहता है।" दिए गए कथन पर चर्चा कीजिए।

2. हमारे अधिकांश व्यवहार सीखने की प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त होते हैं लेकिन व्यवहार में कुछ बदलाव परिपक्वता के कारण होते हैं। अपने जीवन के उदाहरणों का उपयोग करते हुए बताइए कि कैसे सीखना परिपक्वता से अलग है।

3. पावलोव की शास्त्रीय अनुबंधन के समान एक प्रयोग तैयार कीजिए। एक उदाहरण के रूप में अपने स्वयं के प्रयोग का उपयोग करते हुए शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

4. क्रियाप्रसूत अनुबंधन पुनर्बलन पर आधारित है। अवांछित व्यवहार को वांछनीय व्यवहार में बदलने के लिए हम क्रियाप्रसूत अनुबंधन का उपयोग कैसे कर सकते हैं? समझाइए।

5. क्रियाप्रसूत अनुबंधन में पुनर्बलन की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। यह सकारात्मक या नकारात्मक हो सकता है। उदाहरणों का उपयोग करते हुए सकारात्मक और नकारात्मक पुनर्बलन की व्याख्या कीजिए। पुनर्बलन की विभिन्न अनुसूचियों का भी वर्णन कीजिए।

6. प्रेक्षणात्मक अधिगम हमारे सीखने का तीसरा प्रमुख तरीका है। अवलोकन के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए। उन विभिन्न स्रोतों की सूची बनाइए जिनके माध्यम से प्रेक्षणात्मक अधिगम हो सकता है और प्रेक्षण अधिगम के उपयुक्त उदाहरण दीजिए।

7. भाषा - सम्प्रेषण की एक प्रमुख विधि -सीखी जाती है। भाषा अर्जन की प्रक्रिया को समझाइए।

8. सम्प्रत्यय हमारी दुनिया की जटिलता को कम करने में हमारी मदद करती हैं, कैसे? अपने उत्तर की पुष्टि के लिए उपयुक्त उदाहरण दीजिए।

9. यह एक दिलचस्प बात है कि एक कार्य का सीखना केवल उस विशिष्ट कार्य तक ही सीमित नहीं रहता है। प्रशिक्षण स्थानान्तरण के महत्व और इसके प्रकारों की व्याख्या कीजिए।